वादा खिलाफी

मेंटेनेंस के नाम पर सड़कें खोदकर भूले जिम्मेदार

मझौली में 3 साल बाद भी नहीं पहुंचा नर्मदा जल

नवभारत, मझौली। हर घर तक नर्मदा जल पहुंचाने के सरकारी दावे मझौली नगर परिषद में पूरी तरह हवाई साबित हो रहे हैं। योजना को शुरू हुए तीन साल से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन आज भी नगर के अधिकांश वार्डों के बाशिंदे बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं।

भीषण गर्मी के इस मौसम में लोगों के कंठ सूख रहे हैं, और रहवासी पिछले तीन सालों से सिर्फ नियमित जलापूर्ति की आस लगाए बैठे हैं।

पानी तो मिला नहीं, सड़कों को बना दिया 'गड्ढाघर'

योजना का सबसे स्याह पहलू यह है कि आम जनता को नल का पानी तो नसीब नहीं हुआ, लेकिन मेंटेनेंस और टेस्टिंग के नाम पर वार्डों की चमचमाती सड़कों को जरूर खोद कर रख दिया गया। चेकिंग के नाम पर खोदे गए ये गड्ढे महीनों बाद भी वैसे ही खुले पड़े हैं। जिससे मुख्य मार्गों से लेकर गलियों तक में खुदी पड़ी सड़कें अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुकी हैं। इन गड्ढो से दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है।

आखिर इस कछुआ चाल और लापरवाही के लिए जिम्मेदार कौन है? मझौली के हर घर तक नर्मदा का जल कब पहुंचेगा और इन खुदी हुई सड़कों की सुध कब ली जाएगी, यह सवाल आज भी प्रशासनिक गलियारों में अनुत्तरित है।

इंजीनियरों की लापरवाही ने बिगाड़ा खेल

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में विभागीय अभियंताओं (इंजीनियरों) की घोर लापरवाही सामने आई है। यदि शुरुआती चरण में ही तकनीकी रूप से सही तरीके से काम किया गया होता, तो तय समय सीमा के भीतर हर वार्ड और हर घर तक पानी पहुंच जाता। लेकिन अधिकारियों और कर्मचारियों की लचर कार्यप्रणाली के कारण आज तक नगर परिषद पानी पहुंचाने में पूरी तरह असफल रही है।

इनका कहना है

भीषण गर्मी में पानी की भारी किल्लत से जूझ रहे स्थानीय निवासियों का दर्द अब गुस्से में बदल रहा है। लोगों का कहना है कि अधिकारियों के पास सिर्फ आश्वासनों की पोटली है। पानी के लिए हमें दूर-दराज के स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। ऊपर से सड़कों को खोदकर हमारी मुश्किलें दोगुनी कर दी गई हैं। अब सिर्फ इंतजार के अलावा हमारे पास कोई रास्ता नहीं बचा है।

शिव कुमार, स्थानीय निवासी

सांसद ने मझौली के ग्राम पंचायतों में किया जनसंपर्क

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर लोकसभा सांसद आशीष दुबे ने पाटन विधानसभा अंतर्गत मझौली पूर्व मंडल के विभिन्न ग्राम पंचायतों का दौरा कर ग्रामीण क्षेत्रों की विकास संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। अपने इस प्रवास के दौरान उन्होंने मड़ई, छपरा, पहरुआ, बरगी, मोहला, धनगवां, महगवां, खलरी, डूंडी, हरदुआ, बरखेड़ा, दिनारी खमरिया, गौरहा एवं गंजताल ग्राम पंचायतों में पहुंचकर स्थानीय नागरिकों, किसानों, महिलाओं एवं युवाओं से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनकर केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की।

जनसंपर्क के दौरान आशीष दुबे ने सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था, कृषि सुविधाएं, विद्युत आपूर्ति तथा अन्य स्थानीय आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित विषयों के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक कार्यवाही का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में गांव, गरीब, किसान और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, वहीं मध्यप्रदेश सरकार भी मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में ग्रामीण अधोसंरचना, सिंचाई, सड़क, पेयजल और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्रभावी कार्य कर रही है। इस ग्राम पंचायत प्रवास कार्यक्रम के दौरान राजेश दाहिया, रामकृष्ण पटेल, कमलेश पटेल, प्रमोद मिश्रा, नरेंद्र पटेल, विनय असाटी, आशीष पटेल, अल्का गर्ग, नीलू बाजपेयी, अंकित तिवारी, रवि यादव, सुमित मिश्रा, विवेक पटेल सहित भाजपा परिवारजन एवं स्थानीयजन उपस्थित रहे।

सांसद आशीष दुबे का बरगी मंडल की ग्राम पंचायतों में प्रवास कार्यक्रम आज

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर लोकसभा सांसद आशीष दुबे का बरगी विधानसभा के बरगी मंडल के अंतर्गत आने वाली विभिन्न ग्राम पंचायतों में 'ग्राम पंचायत प्रवास कार्यक्रम' आयोजित होने जा रहा है। आज होने वाले इस प्रवास कार्यक्रम के तहत सांसद क्षेत्र के विभिन्न गांवों का सघन दौरा करेंगे, जिसके आगमन को लेकर स्वागत वंदन अभिनंदन की तैयारियां की गई हैं। इस दौरान उनके साथ बरगी विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीरज सिंह भी मौजूद रहेंगे।

यात्रा के लिए प्रभारी एवं सह-प्रभारी नियुक्त- इस महत्वपूर्ण दिवस यात्रा के सुचारू संचालन हेतु जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिसमें दिवस यात्रा प्रभारी बल्ला जैन एवं सह मण्डल प्रभारी बृजकिशोर विश्वकर्मा को नियुक्त किया गया है। भारतीय जनता पार्टी बरगी मंडल के अध्यक्ष बृजकिशोर विश्वकर्मा ने समस्त कार्यकर्ताओं से इस प्रवास कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

13 पंचायतों की समय सारणी जारी- निर्धारित समय सारणी के अनुसार सांसद का दौरा सुबह 10.30 बजे तिन्सा (लोढ़ी) से शुरू होगा। इसके बाद वे सुबह 11.15 बजे तिन्सी, दोपहर 12 बजे पिपरिया (रैपुरा), दोपहर 12.45 बजे सालीवाड़ा पहुंचेंगे। दोपहर 1.30 बजे सुकरौ में भोजन का कार्यक्रम रहेगा। इसके पश्चात दोपहर 2.30 बजे मेंगेला, दोपहर 3.15 बजे कालादेही, शाम 4 बजे खापा, शाम 4.45 बजे हुल्की (रमनपुर), शाम 5.30 बजे बम्हनी (धवई), शाम 6.15 बजे सिलुआ एवं शाम 7 बजे रींझा पहुंचेंगे। अंत में, शाम 7.45 बजे चौरई ग्राम पंचायत में इस दिवस यात्रा का समापन होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित विद्युत कटौती से बढ़ रहा आक्रोश

नवभारत कटंगी। कटंगी नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती से आमजन परेशान है। 42 से 44 डिग्री तापमान में भीषण गर्मी के बीच बार-बार बिजली गुल होने से लोगों दिनचर्या प्रभावित हो रही है। नागरिकों ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए शीघ्र सुधार की मांग की है।

कटंगी नगरवासियों का कहना है कि दिन और रात में कई बार बिजली बंद हो जाती है, जिससे पेयजल व्यवस्था, व्यापारिक गतिविधियां तथा विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी गंभीर बनी हुई है, जहां घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है।

स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने कहा कि गर्मी के मौसम में लगातार हो रही कटौती से लोगों को अनेकों परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विद्युत विभाग से नियमित एवं सुचारु बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बेलखाडू में रात्रि कटौती से लोगों में पनप रहा आक्रोश

नवभारत बेलखाडू। भीषण गर्मी का दौर चरम पर है, सुबह 11 बजते ही दोपहर जैसी कड़ी धूप महसूस हो रही है इसी समय पारा 40 डिग्री पर पहुंच जाता है वहीं दोपहर में बेचैन कर देने वाली गर्मी रहती है साथ ही पारा 44 डिग्री से ऊपर की ओर बढ़ने लगता है। लोग जैसे- तैसे कूलर पंखों के सहारे दिन गुजार लेते हैं। वहीं दूसरी ओर रात का पारा भी 38 से 40 डिग्री सेल्सियस रहने से रातें भी उबाल मार रहीं हैं। ग्रामीण किसी तरह कूलर, पंखे के सहारे रात भर नींद पूरी करने की कोशिश करते हैं। जब वे गहरी नींद की आगोश में पहुंचते हैं तभी बिजली गुल हो जाती है, यह क्रम पिछले तीन दिन से जारी है। ग्रामीणों ने बताया कि रात एक बजे, कभी दो बजे और इसके आसपास के समय रोज एक घंटे आकस्मिक रूप से पावर सप्लाई कट कर जाती है। जिसका परिणाम यह है कि पिछले तीन रातों से पूर्ण नींद नहीं होने से ग्रामीणों में तरह तरह के रोगी बढ़ चले हैं। सर्वाधिक परेशानी नन्हे बच्चों और बुजुर्गों में देखने आ रही है। ग्रामीणों में रात की विद्युत कटौती को लेकर जमकर आक्रोश व्याप्त है।

माढ़ोताल विद्युत मंडल के जूनियर इंजीनियर एवं लाइनमैन ने पूछने पर बताया कि रात में ओवरलोड होने पर ऊपरी विभाग से आकस्मिक लाइट बंद करने के आदेश तत्काल आते हैं जिससे कटौती करनी पड़ती है।

कड़ी धूप में दिन में सड़कों पर सन्नाटा, रात में रुला रही बिजली

नवभारत,बोरिया। सुबह के बाद दिन चढ़ते ही तापमान भी चढ़ना चालू हो है, दोपहर में लगभग 44 डिग्री तापमान में बोरिया की मुख्य सड़क पर सन्नाटा पसरा रहता है। एक दो को छोड़कर बाकी नागरिक कूलर पंखे के सहारे घरों में गर्मी की बेचैनी कम करते देखे जा सहते हैं। शाम ढलने पर गांव में थोड़ा चहल पहल का नजारा बढ़ जाता है।

रात की बिजली गुल को लेकर आक्रोश व्याप्त-दिन की उमस भरी गर्मी में रात को कूलर पंखे में शुकून तलाशकर नागरिक जब गहरी नीद मैं सोते हैं तब प्रति दिन रात्रि 1 बजे, कभी दिन रात्रि 2 बजे एक घंटे के लिए अचानक बिजली ओवरलोड के नाम पर सप्लाई बंद की जा रही है। जिससे लोगों की नीद पूरी नहीं होने से बीमारियां बढ़ने लगी है। सबसे ज्यादा परेशानी का सामना छोटे बच्चों एवं बुजुर्गों में देखने मिल रहा है। दूसरी ओर किसान वर्ग दिन और रात की बिजली सप्लाई बंद करने से परेशान हैं, खेतों में मूंग और उड़द की खेती में पानी चलाने के लिए बिजली की सख्त आवश्यकता होती है। कटौती के कारण कृषि जगत भी परेशान है।

जल समस्या का समाधान करने नगर निगम ने लगाई जल चौपाल

नवभारत,जबलपुर। शहर के सभी संभागों में गर्मी के मौसम में गहराते जल संकट को दूर करने और नागरिकों को राहत पहुंचाने के लिए नगर निगम ने एक बेहद संवेदनशील और प्रभावी कदम उठाया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के कड़े निर्देश पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जल चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य जनता के बीच जाकर उनकी पानी से जुड़ी समस्याओं को सुनना और मौके पर ही उनका त्वरित निराकरण करना है। इसी कड़ी में निगमायुक्त के निर्देश पर अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव ने विभिन्न संभागों में आयोजित जल चौपाल कार्यक्रमों का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मौके पर ही हो रहा समस्याओं का निदान

जल चौपाल के माध्यम से नगर निगम की टीमें सीधे नागरिकों से संवाद कर रही हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने न सिर्फ लोगों की शिकायतें सुनीं, बल्कि कई समस्याओं का मौके पर ही निदान कराया। जिन क्षेत्रों में अभी तक पाइप लाइन का विस्तार नहीं हो पाया है या तकनीकी कारणों से पानी नहीं पहुंच पा रहा है, वहां नागरिकों को परेशान होने की जरूरत नहीं है।अभी शहर के उन हिस्सों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जहां पानी की समस्या अधिक देखी जाती है। मुख्य रूप से कस्तूरबा गांधी वार्ड, कैलाशपुरी पहाड़ी एवं आजाद नगर पहाड़ी क्षेत्र, उखरी बस्ती, रानीताल करबला, शांतिनगर एवं न्यू आनंदनगर तथा अन्य संबंधित जल संकट वाले क्षेत्र में जल चौपाल लगाकर नागरिकों को राहत दी गई।

पनागर की बेटी शाम्भवी ने बढ़ाया मान

पनागर। नगर की प्रतिभाशाली छात्रा शाम्भवी गुप्ता ने देश की प्रतिष्ठित परीक्षा इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टिट्यूट (आईएसआई) प्रवेश परीक्षा 2026 में पिछड़ा वर्ग श्रेणी से ऑल इंडिया रैंक-3 प्राप्त कर पनागर सहित पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि के बाद नगर में खुशी और गर्व का माहौल है। शाम्भवी गुप्ता, विवेकानंद वार्ड निवासी अधिवक्ता नीरज गुप्ता एवं श्रीमती सीमा गुप्ता की सुपुत्री हैं। बचपन से ही मेधावी रही शाम्भवी ने अपनी सफलता का श्रेय स्वयं अध्ययन, माता-पिता के आशीर्वाद और निरंतर मेहनत को दिया। उन्होंने बताया कि परीक्षा की तैयारी उन्होंने बिना किसी विशेष कोचिंग के स्व-अध्ययन के माध्यम से की। शाम्भवी ने कहा कि उनकी माता का आशीर्वाद और परिवार का सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा, जिसकी बदौलत वे यह मुकाम हासिल कर सकीं। उनकी इस सफलता से नगर के विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिली है कि मेहनत और आत्मविश्वास से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। नगरवासियों, शिक्षकों एवं शुभचिंतकों ने शाम्भवी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आज कटंगी में विकास कार्यों का भूमिपूजन

बस स्टैंड विस्तार कार्य का होगा शुभारंभ

नवभारत, कटंगी। नगर परिषद कटंगी द्वारा आज 21 मई को नगर के बहुप्रतीक्षित 'निषादराज भवन' के लोकार्पण, बस स्टैंड विस्तार कार्य के भूमिपूजन सहित विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया जाएगा। इन विकास कार्यों की कुल प्रस्तावित लागत लगभग 4.80 करोड़ रुपये बताई गई है।

कार्यक्रम का आयोजन शाम 4 बजे बस स्टैंड एवं शाम 4:15 बजे वार्ड नं. 15 जगदीश मंदिर के पास कटंगी में किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पाटन विधायक अजय बिश्नोई उपस्थित रहेंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद कटंगी अध्यक्ष अमिताभ साहू करेंगे। नगर परिषद उपाध्यक्ष कमलेश तामकार द्वारा नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर विकास कार्यों के शुभारंभ के साक्षी बनने की अपील की गई है।

कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी स्नेहा मिश्रा ,नगर परिषद के पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधियों की भी विशेष उपस्थिति रहेगी।

जानकारी

किसानों को आधुनिक खेती का दिया गया संदेश

ड्रोन से नैनो उर्वरक के छिड़काव का किया प्रदर्शन

नवभारत, जबलपुर। राज्य शासन के निर्देश पर किसानों को खेती की आधुनिकतम तकनीकों और कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी देने बुधवार को विकासखंड पाटन के ग्राम उड़ना, पौड़ी, खमोद और मेढ़ी ग्राम पंचायतों का भ्रमण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने की जानकारी दी गई।

कृषि रथ के भ्रमण का मुख्य केंद्र ग्राम उड़ना रहा। यहाँ कृषि विभाग के निर्देशन में आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तकनीक विशेषज्ञ निलेश पटेल द्वारा स्थानीय कृषक छुट्टु पटेल के खेत में लगी उड़द की फसल पर ड्रोन के माध्यम से नैनो डीएपी का लाइव छिड़काव करके दिखाया गया।

किसानों को बताए गए फायदे

इस अवसर पर मौजूद किसानों को पारंपरिक उर्वरक के स्थान पर नैनो उर्वरक से होने वाले फायदे बताये गए। किसानों को बताया गया कि नैनो उर्वरक की तुलना में आकार में बड़ा होने के कारण पारंपरिक उर्वरक को पौधे धीरे-धीरे और कम मात्रा में सोख पाते हैं।जबकि नैनो उर्वरक बेहद सूक्ष्म आकार का होने के फलस्वरूप सीधे पौधों की कोशिकाओं में प्रवेश कर जाते हैं। पारंपरिक उर्वरक की उपयोग दक्षता काफी कम 30 से 50 प्रतिशत होती है। बाकी उर्वरक मिट्टी में बह जाता है या गैस बनकर उड़ जाता है।जबकि,नैनो उर्वरक की उपयोग दक्षता 85 से 90 प्रतिशत तक होती है और पौधों की पत्तियाँ इन्हें तुरंत सोख लेती हैं। इस दौरान किसानों को ये भी बताया गया कि पारंपरिक उर्वरकों के इस्तेमाल से फसल की सामान्य वृद्धि होती है तथा लागत अधिक होने के कारण किसानों का शुद्ध मुनाफा कम होता है।जबकि, नैनो उर्वरक से फसल की गुणवत्ता बेहतर होती है, फसलें मजबूत बनती हैं और कम लागत के कारण किसानों की शुद्ध आय में वृद्धि होती है।

किसानों ने साझा किये अनुभव

ड्रोन प्रदर्शन के दौरान नैनो उर्वरकों का उपयोग कर रहे किसानों ने अपने अनुभव भी साझा किए। किसान निमित पटेल ने बताया कि पारंपरिक यूरिया के मुकाबले नैनो यूरिया की एक बोतल काफी सस्ती पड़ती है, इससे खेती की लागत कम हुई है। वहीं, कृषक छोटेलाल पटेल ने बताया की नैनो उर्वरक को पानी में घोलकर स्प्रे करना बेहद आसान है।

नई तकनीकी अपनाने किया आग्रह

इसी प्रकार किसान अजय सिंह ने बताया कि नैनो यूरिया सीधे पत्तियों पर असर करता है, जिससे मिट्टी पर रासायनिक दुष्प्रभाव नहीं पड़ता और जमीन की सेहत बनी रहती है। कृषि रथ के भ्रमण के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ. इंदिरा त्रिपाठी ने किसानों से बदलते दौर के साथ कृषि कि आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पंकज श्रीवास्तव, कृषि विस्तार अधिकारी सीमा राउत एवं अवधेश हल्दकार भी उपस्थित रहे।

भविष्य निधि से मिली रेणु, पृथ्वी और प्रगति को आधार निधि

नवभारत, जबलपुर। अमर पाटन रोड, सतना स्थित विद्या राइस मिल के सॉल्वेंट एक्सट्रैक्शन प्लांट में अग्नि हादसे में श्रमिक दिलावर सिंह की दुखद मृत्यु की जानकारी प्राप्त होते ही भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर और जिला कार्यालय, सतना तुरंत मृतक के परिवार को ई0पी0एफ0 एक्ट के अंतर्गत लाभ प्रदान करने के लिए सक्रिय हुये।

अविश्वसनीय संवेदना व तत्परता दिखाते हुये कमल कांत पाण्डे, प्रवर्तन अधिकारी ने क्षेत्रीय आयुक्त के0सी0 जोशी के निर्देश पर बुधवार सुबह दिवंगत श्रमिक के घर पहुंचे जहां उन्होंने परिवार के सदस्यों को भविष्य निधि संगठन की तरफ से सांत्वना दी गयी और अधिनियम के अंर्तगत लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों एवं आवेदन पत्र भरने में सहायता प्रदान की और बच्चों के बैंक खाते नहीं है तो उन्हें खुलवानें में भी सहायता की गयी तथा सारी कागजी कार्यवाही पूरी कर क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर को शाम तक सारे प्रपत्र भेज दिये गये।

क्षेत्रीय आयुक्त, जबलपुर द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुये सामान्य नियमों को शिथिल करते हुये निर्देश जारी किये कि दिवंगत श्रमिक के आश्रितों को तत्काल सभी लाभ प्रदान किये जाये।

प्राप्त सूचना के अनुसार शाम तक क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर के लेखाधिकारी स्वाति उद्दे जो वर्तमान में सहायक आयुक्त, पेंशन है के हस्ताक्षर से मृतक श्रमिक की पत्नी और दो बच्चों के संबंध में पेंशन भुगतान आदेश संख्या 79825 जारी कर दिया गया है साथ ही बीमा लाभ व भविष्य निधि राशि के भुगतान की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गयी है। एक सरकारी विभाग द्वारा इस तरह की मानवीय पहल वास्तव में काबिले तारीफ है।